www.krishipravahika.vitalbiotech.org

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2023) वर्ष 3, अंक 3, 4-5

Article ID: 260

पपीते का मिलीबग कीट व नियंत्रण के उपाय

अरविन्द कुमार*, सूरज सिंह

कीट विज्ञान विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या, उत्तर प्रदेश - 224229

पपीते में लगने वाला मीली बग (पैराकोकस मार्जिनटस) कीट पपीते की फसल के लिए काफी घातक हैं। किसान अगर इस कीट का प्रबंधन समय से नही करेंगे तो यह कीट पपीते के बाग में लगे सभी पौधों को पूरी तरह कुछ ही दिनों में संक्रमित कर उसे मृत अवस्था में पहुंचा देगा। इन दिनों यह कीट जहां बिहार के पपीता उत्पादक किसानों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। वहीं इस वजह से पपीते की उपज बुरी तरह प्रभावित हो रही है तथा किसानों को आर्थिक क्षति भी पहुंचा रहा है। मिलीबग कीट से पपीते के फलों को करीब 60 से 70 प्रतिशत तक नुकसान होता है। कीट का प्रकोप पपीते की पत्तियों, तना एवं फलों पर दिखाई देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार पपीते के पौधों में वर्ष 2008 में सबसे पहले मिलीबग का प्रकोप देखा गया।

कीट की पहचान

मिलीबग आकार में छोटा एवं (पॉलीफेगस) समूह का कीट है। यह सफेद रंग के रूई की तरह नजर आते हैं। कीट का वयस्क मादा सफेद मोम के अंडे की थैली में अंडे देने का काम करती है। यह कीट आमतौर पर पौधे की टहनियों, शाखाओं, छाल एवं फलों पर झुंड बनाकर रहते है। इस कीट के अंडे का विकास जहां 3 से 9 दिनों के बीच होता है। नवजात कीट को क्रॉलर हैच के नाम से भी जाना जाता है। यह कीट बेहद कम समय में बाग के सभी पौधों को संक्रमित करता है।

प्रकोप के लक्षण

यह कीट पौधों के ऊपरी भाग के साथ पत्तियां एवं फलों का रस चूसते हैं। जिससे तना कमजोर हो जाता है और पत्तियां सिकुड़ने लगती हैं। प्रकोप बढ़ने पर पत्तियां झड़ने लगती हैं और फल भी खराब हो जाते हैं।

नियंत्रण

- ✓ समय-समय पर पपीते के बागीचे का सर्वेक्षण करें।
- ✓ क्षतिग्रस्त पत्तियों और फलों को इकट्ठा करके उन्हें नष्ट कर दें।
- ✓ बगीचे में नियमित रूप से साफ-सफाई और स्वच्छता रखें।
- ✓ बगीचे की समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें और खरपतवार को निकाल दें।
- ✓ मिलीबग के नियंत्रण के लिए परभक्षी कीट का उपयोग करें।
- ✓ पपीते के बगीचे में नियमित रूप से साफ-सफाई करें।
- ✓ 1 से 2 प्रतिशत नीम के तेल का छिड़काव मिलीबग पर नियंत्रण के लिए प्रभावी साबित होता है।
- ✓ मिलीबग से छुटकारा पाने के लिए प्रति लीटर पानी में 1.5 से 2 मिलीलीटर बुप्रोफेजिन (पोलो) 25 एससी मिला कर छिड़काव करें।
- ✓ प्रति लीटर पानी में 2 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड मिलाकर छिड़काव करें।
- ✓ प्रति लीटर पानी में 2 मिलीलीटर क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी या डाइमेथोएट 30 ईसी मिलाकर छिड़काव करने से भी मिलीबग से निजात मिल सकता है।